ठाणे जनता सहकारी बैंक (TJSB) के इन्दौर स्थित शाखा के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय लोक सभा अध्यक्ष का भाषण।

1. ठाणे जनता सहकारी बैंक लिमिटेड की इन्दौर स्थित शाखा के औपचारिक उद्घाटन के अवसर पर आपके बीच उपस्थित होकर मुझे हर्ष का अनुभव हो रहा है। सन् 1972 में सहकारी बैंक के रूप में स्थापित यह बैंक आज अपने उत्कृष्ट प्रबंधन एवं कर्मचारियों की मेहनत एवं ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करते हुए निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। आज इन्दौर में इस बैंक की 134वीं शाखा के उद्घाटन का यह पुनीत अवसर इस बात का परिचायक है कि सहकारिता आन्दोलन ने भारत के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

2. भारत मूलतः कृषि प्रधान देश है और अभी भी हमारी अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा कृषि एवं इससे जुड़े हुए कार्यकलाप हैं। सहकारी बैंकों के माध्यम से देश भर में करीब 5 लाख से अधिक सहकारी समितियां सक्रिय हैं, जिनके माध्यम से करोड़ों लोगों को रोजगार मिल रहा है। सहकारिता आन्दोलन वास्तव में देशवासियों की आर्थिक समृद्धि का माध्यम बन गया है। इसके क्रियान्वयन का एक महत्वपूर्ण अंग ये बैंक हैं। आज के डिजिटल वर्ल्ड में ठाणे जनता सहकारी बैंक ने अपनी जिम्मेदारी का भलीभांति निर्वहन किया है। अपनी कुशल कार्यप्रणाली के बल पर न केवल उन्होंने बैंक के लिए पूंजी उपलब्ध कराई है बल्कि आम जनता, किसानों, छोटे व्यापारियों यहां तक

कि बड़े व्यापारियों को भी वित्तीय सुविधाएं प्रदान कराकर उद्यमिता के विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं।

3. आज इस बैंक की शाखाएं गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात और कर्नाटक के अलावा मध्यप्रदेश में भी खुल गईं हैं। यह इस बात का द्योतक है कि बैंक ने समय और तकनीक के साथ चलना सीखा है और आज लगभग वे सभी सुविधाएं ग्राहकों को मुहैया करा रही हैं जो राष्ट्रीयकृत बैंक प्रदान कर रही हैं।

4. सहकारिता की अवधारणा उतनी ही पुरानी एवं जीवन्त है जितना कि मानव का इतिहास। मानव में समूहन की प्रवृत्ति आदि काल से ही रही है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। यह न केवल उसकी विशिष्टता है बल्कि आपसी सहयोग तब भी निहायत जरूरी है जब किसी एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति की आवश्यकता महसूस होती है। क्योंकि मुश्किल और तनाव की घड़ी, दुःख अथवा विपदा की घड़ी में एक दूसरे का सहयोग करना एवं लेना मानव की स्वाभाविक प्रवृत्ति है। इससे न केवल उनका सामाजिक बल्कि आर्थिक, राजनीतिक एवं राष्ट्रीय हित भी प्रभावित होता है। किसी भी सभ्यता के सम्पूर्ण विकास के लिए उनके नागरिकों के बीच परस्पर समन्वय, सहयोग एवं मैत्री की भावना होना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्नत सभ्यताओं के मूल में उनके नागरिकों का सभ्य, सहयोगी एवं व्यावहारिक होना अनिवार्य माना गया है। The concept of cooperative banking is also a reflection of this idea.

5. एक Techno-savvy बैंक के रूप में ठाणे जनता सहकारी बैंक ने उत्कृष्ट कार्य किया है और आम जनता विशेषकर पिछड़ों, दलितों, किसानों और मजदूरों के कल्याणार्थ उत्कृष्ट कार्य किया है। आज चार राज्यों गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात और कर्नाटक में इसके 117 ए.टी.एम. खुले हैं एवं यह कोऑपरेटिव सेक्टर का पहला ऐसा बैंक है जिसने शाखाओं में Cheque Depository Machines की सुविधा प्रदान की है। साथ ही, आरटीजीएस और Core Banking Services की सुविधा भी उपलब्ध कराई है। यह देश के सहकारी क्षेत्र का पहला बैंक है जिसने चौबीसों घंटे Automated Cheque Issuance Machine की व्यवस्था की है जिससे ग्राहक चौबीसों घंटों में किसी भी समय चैक प्राप्त कर सकते हैं।

6. टीजेएसबी (TJSB) बैंक मैक्स लाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड का कॉरपोरेट एजेंट भी हैं। बहुत कम ऐसे सहकारी बैंक हैं जिन्हें फॉरेन एक्सचेंज में कार्य करने की सुविधा दी गई है। यह हर्ष का विषय है कि इस बैंक को इस महत्वपूर्ण कार्य को निपटाने हेतु ADL लाइसेंस प्रदान किया गया है।

7. इनकी उत्कृष्ट बैंकिंग सेवाओं को दृष्टिगत रखते हुए इन्हें इंडियन बैंक्स एसोसिएशन ने सहकारिता बैंक श्रेणी में इन्हें "Technology Bank of the Year 2009" का अवार्ड दिया है।

8. आज ये बैंक हर दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। गांव–गांव, शहर, कस्बों में सहकारिता बैंक खुल गए हैं। मुझे खुशी है कि TJSB की इन शाखाओं ने सहकारिता के मूल भाव को समझते हुए अपनी कर्त्तव्यनिष्ठा निभाई है।

9. मैं आपको बांग्लादेश के ग्रामीण बैंक का उदाहरण देना चाहूंगी जिन्होंने ज़मीनी स्तर पर किसानों, छोटे उद्यमियों एवं जरूरतमंद लोगों विशेषकर महिलाओं के जीवन स्तर को उठाने एवं उनके जीविकोपार्जन के लिए समुचित मूलभूत व्यवस्थाएं (Micro Finance) करने का जो कार्य किया है, वह उत्साहवर्द्धक है। आप लोग इससे प्रेरणा ले सकते हैं।

10. वर्तमान में कृषि के परिप्रेक्ष्य में सहकारी बैंकों की भागीदारी समाज के प्रति विशेषकर किसानों, पशुपालन, डेयरी क्षेत्र एवं अन्य संबद्ध क्षेत्र में कार्य कर रहे व्यक्तियों के प्रति और भी बढ़ गई है। इस दिशा में बैंक ऐसी चुनौतियों से निपटने के लिए नए तरीके ईजाद करे जिससे बैंक और किसानों दोनों का सामंजस्य बना रहे।

11. सहकारिता को अपनाकर ही भारत में दुग्ध क्रांति को सफल बनाया जा सका। इससे किसानों और दुग्ध उत्पादकों के साथ–साथ आम जनता को भी लाभ हुआ है।

12. The future of co-operative banks in India is very bright and it can play an important role in socio-economic growth of the nation.

Transparency and digitalization of banking processes are some of the factors that are to be taken care of by cooperative banks.

13. **Cooperative Banks in India serve as lifeline for millions of people, especially those in rural parts of the country, translating their hopes and aspirations into reality.** भारत में कोऑपरेटिव बैंक निम्न और मध्यम आय वर्ग वालों के लिए एक अच्छा माध्यम हैं। आज इससे न केवल ग्रामीण क्षेत्र में किसान, पशुपालक, मजदूर एवं महिला सेल्फ हैल्प ग्रुप लाभान्वित हो रहे हैं बल्कि छोटे उद्यमी, स्वरोजगार करने वाले, कुटीर उद्योग, गृह फाइनांस करने वाले भी कोआपरेटिव बैंक से लाभ उठा रहे हैं। यह देश की बैंकिंग प्रणाली की एक महत्वपूर्ण कड़ी है और सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में चलाए जाने वाली योजनाओं के क्रियान्वयन में अतिमहत्वपूर्ण एवं सार्थक भूमिका निभाती है।

14. इस बैंक की इन्दौर में शाखा खुल जाने से इन्दौर एवं उसके आस–पास के किसानों, छोटे उद्यमियों एवं सभी जरूरतमंद लोगों को काफी फायदा मिल सकेगा। मुझे उम्मीद है कि धीरे–धीरे मध्यप्रदेश के कई जिलों में इसकी शाखाएं खुलेंगी एवं बैंक ज्यादा–से–ज्यादा जरूरतमंद लोगों तक पहुंचने एवं अपने ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवा देने के कार्य में नित नवीन प्रयास करेगी।

15. मैं बैंक के प्रबंधन, अधिकारीगण और कर्मचारीगण की ओर से कुशल सेवाएं प्रदान करने के साथ–साथ इन्दौरवासियों से अनुरोध करती हूं कि सहकारिता बैंक की सुविधा का लाभ वे स्वयं उठाएं एवं जरूरतमंद व्यक्तियों तक इसकी सूचना पहुंचाएं। मुझे आशा एवं विश्वास है कि जिस प्रयोजन से बैंक की शाखा खोली गई है, वह प्रयोजन सफल सिद्ध हो।

धन्यवाद।